बिहार में नया औद्योगिक गलियारा और औद्योगिक क्षेत्र

चर्चा में क्यों?

बिहार के मुख्यमंत्री **नीतीश कुमार** ने आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिये **भागलपुर** और **गोपालगंज** में प्रमुख **औद्योगिक परियोजनाओं** की स्थापना की घोषणा की।

मुख्य बिंदु

- **भागलपुर में औद्योगिक गलियारा**
  - भागलपुर के औद्योगिक परिदृश्य को पुनर्जीवित करने के लिये मंत्रिमंडल ने भागलपुर ज़िले के **गोराडीह अंचल** में 96.98 एकड़ सरकारी भूमि को **उद्योग विभाग** को निःशुल्क हस्तांतरित करने को भी मंजूरी दी।
  - **भागलपुर में नया थर्मल पावर प्लांट:** बिहार राज्य विद्युत आयोग थर्मल पावर प्लांट की स्थापना के लिये एक निजी कंपनी को भूमि पट्टे पर देगा।
- **गोपालगंज में औद्योगिक क्षेत्र**
  - सरकार ने गोपालगंज (नोना पाकड़ और खीरीडीह गाँव) में एक नए औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के लिये 32.66 एकड़ भूमि के हस्तांतरण को मंजूरी दे दी है।
  - यह भूमि **बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (BIADA)** को 11.39 करोड़ रुपए के कुल मूल्य पर **सशुल्क** हस्तांतरित की जाएगी।
  - यह नया औद्योगिक क्षेत्र **औद्योगिक विकास** को बढ़ावा देने, निवेश आकर्षित करने तथा क्षेत्र में युवाओं और बेरोज़गारों के लिये **रोज़गार** सृजन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

बिहार के सकल घरेलू उत्पाद में क्षेत्रीय योगदान

- **नीति आयोग** के अनुसार बिहार का वास्तविक सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) वित्त वर्ष 2012-13 और 2021-22 के बीच 5.0% की औसत दर से बढ़ा है (राष्ट्रीय औसत विकास दर 5.6% से कम)।
- **सकल राज्य मूल्य संवर्द्धन (GSVA)** में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी सबसे अधिक (57.1%) है, उसके बाद कृषि (24.3%) और उद्योग (17.2%) का स्थान है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/new-industrial-corridor-and-industrial-zone-in-bihar